दानिक मूल्यांकन (**Clinical Assessment**) एक व्यवस्थित प्रक्रिया है। यह किसी जासूसी जांच की तरह होती है, जहाँ मनोवैज्ञानिक विभिन्न कड़ियों को जोड़कर व्यक्ति की मानसिक स्थिति का एक स्पष्ट चित्र बनाता है।

इसके **मुख्य चरण (Key Steps)** निम्नलिखित हैं:

---

1. प्रारंभिक साक्षात्कार (Clinical Interview)

यह मूल्यांकन का सबसे पहला और महत्वपूर्ण चरण है। इसमें मनोवैज्ञानिक मरीज से आमने-सामने बातचीत करता है।

- **उद्देश्य:** समस्या के इतिहास, पारिवारिक पृष्ठभूमि, सामाजिक जीवन और वर्तमान लक्षणों को समझना।
- **प्रकार:** यह 'Structured' (तयशुदा सवाल) या 'Unstructured' (अनौपचारिक बातचीत) हो सकता है।

2. व्यवहार अवलोकन (Behavioral Observation)

मनोवैज्ञानिक केवल वही नहीं सुनता जो मरीज कह रहा है, बल्कि वह यह भी देखता है कि मरीज **कैसा व्यवहार** कर रहा है।

- **क्या देखा जाता है:** आंखों का संपर्क (Eye contact), बैठने का तरीका, घबराहट, बोलने की गति और साफ-सफाई।
- **महत्व:** कई बार मरीज जो शब्द नहीं कह पाता, उसका व्यवहार वह जानकारी दे देता है।

---

3. मानसिक स्थिति परीक्षा (Mental Status Examination - MSE)

यह मूल्यांकन का एक तकनीकी हिस्सा है जिसमें व्यक्ति की वर्तमान मानसिक कार्यक्षमता की जांच की जाती है। इसमें निम्नलिखित पहलुओं को परखा जाता है:

- **ओरिएंटेशन (Orientation):** क्या व्यक्ति को पता है कि वह कहाँ है, आज कौन सी तारीख है और वह कौन है?
- **स्मृति (Memory):** अल्पकालिक और दीर्घकालिक याददाश्त।
- **निर्णय क्षमता (Judgment):** क्या वह सामान्य परिस्थितियों में सही निर्णय ले सकता है?

4. मनोवैज्ञानिक परीक्षण (Psychological Testing)

जब बातचीत और अवलोकन पर्याप्त नहीं होते, तब मानकीकृत टेस्ट्स (Standardized Tests) का उपयोग किया जाता है।

- **बुद्धि परीक्षण (IQ Tests):** जैसे 'Wechsler Intelligence Scale' (WISC/WAIS)।
- **व्यक्तित्व परीक्षण (Personality Tests):** जैसे 'MMPI' या 'Projective Tests' (Rorschach Inkblot Test)।
- **न्यूरोलॉजिकल टेस्ट:** मस्तिष्क की कार्यक्षमता की जांच के लिए।

---

5. शारीरिक परीक्षण (Physical Examination)

कई बार मानसिक लक्षणों का कारण शारीरिक बीमारियाँ (जैसे थायराइड की समस्या या ब्रेन ट्यूमर) हो सकती हैं। इसलिए, मनोवैज्ञानिक मरीज को मेडिकल चेकअप या ब्लड टेस्ट की सलाह दे सकता है ताकि जैविक कारणों को खारिज किया जा सके।

---

6. डेटा का एकीकरण और निदान (Data Integration & Diagnosis)

सभी चरणों से प्राप्त जानकारी को एक साथ जोड़ा जाता है।

- **तुलना:** लक्षणों की तुलना **DSM-5** (Diagnostic and Statistical Manual) या **ICD** के मानकों से की जाती है।
- **निष्कर्ष:** अंत में एक औपचारिक निदान (Diagnosis) किया जाता है कि व्यक्ति को कौन सा मानसिक विकार है।

7. रिपोर्ट लेखन और फीडबैक (Reporting & Feedback)

अंत में एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाती है और मरीज या उसके परिवार के साथ चर्चा की जाती है।

- इसमें समस्या का समाधान और **उपचार योजना (Treatment Plan)** सुझाई जाती है।